

भारत का राजपत्र The Gazette of India



असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 411]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 27, 1977/पौष 6, 1899

No. 411]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 27, 1977/PAUSA 6, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

Noted, the 27th December 1977

G.S.R. 776(E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), in the circumstances which in the opinion of the Central Government render it necessary to make rules without consultation with the Central Committee for Food Standards is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after 45 days of the publication of the notification in the Gazette of India. Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft rules before the date so specified shall be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1977.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in appendix B, in item A 1703, relating to specifications of groundnut oil, clause (f) and entries relating thereto shall be omitted.

[No P 15011/57/77-PH(F&N)]

N N VOHRA, Jt Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली 27 दिसम्बर 1977

सा० का० नि० 776(अ);—केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन परिस्थितियों में जिनमें केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि खाद्य मानकों की केन्द्रीय समिति के परामर्श के बिना नियम बनाना आवश्यक है, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1956 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है, और जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने के 45 दिन पश्चात् विचार किया जाएगा। इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की वाचन जा भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1977 है।
2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1956 में परिशिष्ट 'ख' में मगफली के विनिर्देशों, संसद्घटित मद क 1703 में, खण्ड (न) और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।

[स० पी० 15011/57/77-पी० एच० (एफ० और एन०)]

एन० एन० बोहरा, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977